A–0641

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DMA-103

Diploma in Medical Astrology (DMA)

ज्योतिषशास्त्र में विविध व्याधि योग

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कालपुरुष की अवधारणा पर निबन्ध लिखिए।

2. मुख रोग का ज्योतिषीय कारण लिखिए।

3. क्षय रोग से क्या तात्पर्य है ? ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण करें।

4. ग्रन्थाधारेण स्त्री रोग का प्रतिपादन कीजिए।

5. हृदय रोग की ज्योतिषीय समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्ण रोग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. गुदा रोग का ज्योतिषीय पक्ष क्या है ?

3. ज्योतिष से स्नायु रोग का ज्ञान कैसे करते हैं ? समझाते हुए लिखिए।

4. मानव शरीर में आगन्तुक व्याधियों पर ज्योतिषीय पक्ष का विवेचन कीजिए।

5. दन्त रोग का निदान सहित वर्णन कीजिए।

6. व्याधियों के पूर्वानुमान पर प्रकाश डालिए।

7. स्नायु रोग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. ग्रन्थाधारेण वक्ष रोग का प्रतिपादन कीजिए।

****